Hindi Core (302)

Space for writing ...ber

खण्ड - क

1. (i) (D) जब समझ से सीखा और अभ्यास किया जाए

(ii) (A) रचनात्मकता बहुत सारी सूचनाओं के होने से आती है ।

(iii) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(iv) रचनात्मकता तब आती है जब हम सूचनाओं को ढंग से समझते हैं और पूर्व ज्ञान से उसे जोड़ पाते हैं ।

(v) गद्यांश में दिमाग संबंधी निम्नलिखित दो विरोधी बातों का उल्लेख हुआ है -

- बढ़ती उम्र के साथ हमारे दिमाग का संज्ञानात्मक कौशल, पहचानने और याद रखने की क्षमता मंद पड़ने लगती है ।

Space for writing Question Number

- पर यह भी सच है कि हमारे दिमाग में यह क्षमता भी है कि उम्र बढ़ने के साथ वह नया सीख सकता है और पुराने सीखे हुए पर अपनी पकड़ बनाए रख सकता है।

(vi) गद्यांश में सीखने - सिखाने के परंपरागत तरीकों को आधुनिक तरीकों से बेहतर इसलिए बताया गया है क्योंकि -

- मशीनें व्यक्ति को उस तरह प्रेरित नहीं कर पाती जिस तरह प्यार व हमदर्दी से बने रिश्ते।

- किताब पढ़ने के बाद हमें अक्सर चीज़े, चित्र या स्थान विशेष के साथ याद रह जाती है इसलिए डिजिटल कॉपी की जगह किताब को पढ़ना अधिक बेहतर साबित होगा।

(vii) याददाश्त बढ़ाने के उपाय -

- लंबे समय तक चीज़ों को याद रखने के लिए हमें नियमित अभ्यास करना चाहिए, सूचनाओं को ढंग से समझना चाहिए तथा अपने दिमाग को चुनौतियाँ देनी चाहिए

Space for writing Question Number

• लंबी याददाश्त के लिए डिजिटल कॉपी की अपेक्षा किताब से पढ़ना चाहिए और समय - समय पर चीजों को दोहराना चाहिए।

2. (i) (A) देश की युवाशक्ति को

(ii) (C) निराशा

(iii) (B) मस्तक

(iv) 'लक्ष्य का संधान कर' से अभिप्राय लक्ष्य - प्राप्ति से है।

(v) 'तोड़ दे ये लौह - पट तू आनकर' - यहाँ पर इसके लौह- पट के दो अर्थ हैं -

• पहला - 'लौह -पट' से आशय द्वार के ताले जिसे कवि खोलने के लिए कह रहा है।

• दूसरा - इसका एक अर्थ यह भी निकल सकता है कि कवि

Space for writing Question Number

युग - चेतना को उनके मार्ग में आई बाधा को लौह - पट को तोड़कर समाप्त करने के लिए कह रहा है।

(vi) इस पद्यांश में कवि ने ~~मु~~ युग के नव - युवक को अपना मस्तक उठाकर लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी है।

साथ ही मुक्ति के संघर्ष में एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा दी है।

खण्ड - ख

उ० 3. - आखिरी में

4. (i) विचारों को शब्दबद्ध करना, लेख की शक्ल देना ज्यादातर लोगों के लिए खासा मुश्किल काम इसलिए है क्योंकि हममें से अधिकर लोग लिखित रूप में ~~अभिव्य~~ अभिव्यक्ति का अभ्यास ही नहीं करते और अभ्यास के हर मौके को रटंत पर निर्भर होकर गँवा बैठते हैं। यहाँ तक कि हम परंपरागत विषयों पर भी लिखने की कोशिश नहीं करते। जो ~~साम~~ सामग्री पहले से ही उपलब्ध है उसी पर निर्भर होकर रह जाते हैं। इससे नए विचारों का सृजन नहीं हो पाता।

Space for writing Question Number

(ii) रेडियो नाटक में पात्रों की सीमित संख्या रखने का बंधन इसलिए है क्योंकि रेडियो एक श्रव्य माध्यम है और इसमें श्रोता आवाज़ के सहारे ही चरित्रों को याद रख पाता है। यदि पात्र ज़्यादा होंगे तो श्रोता को याद रखने में दिक्कत होगी और नाटक में उसकी दिलचस्पी नहीं बन पाएगी। 15 - 20 मिनट के नाटक में पात्रों की संख्या पाँच से छः होनी चाहिए और 30-40 मिनट के नाटक में पात्रों की संख्या आठ से बारह होनी चाहिए

(iv)

	पूर्णकालिक पत्रकार	अंशकालिक पत्रकार
1-	पूर्णकालिक पत्रकार किसी समाचार संगठन से जुड़कर कार्य करते हैं।	अंशकालिक पत्रकार ~~स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं।~~ भी किसी समाचार संगठन से जुड़कर कार्य करते हैं।
2-	यह नियमित एवं वेतनभोगी होते हैं।	~~ये लेखन कार्य के अनुसार भुगतान प्राप्त करते हैं।~~ ये निश्चित मानदेय पर कार्य करते हैं।

Space for writing Question Number

(v) स्तंभ लेखन संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले एक तरह के विचारपरक लेखन हैं। विभिन्न समाचार पत्र वरिष्ठ पत्रकारों के लेख नियमित रूप से प्रकाशित करते हैं। यह किसी भी विषय पर हो सकते हैं। इसमें लेखक को अपना विषय चुनने की पूर्ण स्वतंत्रता होती है। यहाँ तक कि कुछ समाचार पत्र उनके स्तंभ लेखन से जाने जाते हैं। इसमें लेखक को अपने अनुसार शब्द सीमा तय करने का अधिकार है।

5. (i) नाटक और कहानी में भिन्नता –

1- कहानी केवल ~~नाटक~~ पढ़ी या कही जाती है परंतु नाटक मंच पर प्रस्तुत करने के बाद ही पूर्ण होता है।

2- कहानी ~~को~~ का संबंध केवल लेखक और पाठक से है परंतु ~~कहानी~~ नाटक का संबंध कई लोगों से है जैसे अभिनेता नाटक को मंच पर प्रस्तुत करते हैं। मंच सज्जा होती है, संगीत और प्रकाश की व्यवस्था होती है एवं निर्देशक का मार्ग दर्शन होता है। पात्रों की विशेष ~~के~~ वेशभूषा

Space for writing Question Number

भी होती है।

3- कहानी में भाव - भंगिमाओं का कोई विशेष महत्व नहीं होता जबकि नाटक में इसका महत्वपूर्ण स्थान है।

4- कहानी को पढ़ते हुए हम बीच में से रोक भी सकते हैं और फिर से उसे वहीं से पढ़ना आरंभ कर सकते हैं किंतु नाटक में ऐसा संभव नहीं।

(ii) ~~किसी पट मुद्दे पर बारीकी से विश्लेषण या व्याख्या विशेष रिपोर्ट कहलाता~~ है।

(iii) 1- रेडियो समाचारों की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी होनी चाहिए।

2- रेडियो समाचार में निम्नलिखित और अधोलिखित के उपयोग से बचना चाहिए।

3- समाचार देते समय तत्सम शब्दावली के उपयोग से बचना चाहिए।

Space for writing Question Number

4- समाचारों की भाषा आम बोलचाल की भाषा होनी चाहिए ताकि श्रोता के समझ में आ सके लेकिन साथ ही भाषा के स्तर व गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए।

6. (i) (B) वातावरण में नमी

(ii) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) (A) सूर्योदय के ठीक पहले के पल - पल परिवर्तित प्रकृति का शब्द - चित्र

(iv) (B) 1 - (ii), 2 - ~~(iii)~~ (i) 3 - (iii)

(v) (B) आकाश में सूर्योदय के हो जाने से

P.T.O

Space for writing Question Number

7. (i) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के माध्यम से कवि मीडियाकर्मियों और कार्यक्रम संचालकों की संवेदनहीन मानसिकता को सबके सामने लाने का प्रयास करता है। यह करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। मीडियाकर्मी अपाहिज व्यक्ति से बेतुके प्रश्न पूछ-पूछकर उसे रुलाने की कोशिश करते हैं ताकि कार्यक्रम की लोकप्रियता से व्यवसाय में लाभ हो सके। उन्हें अपंग व्यक्ति की दुःख व ~~पी~~ पीड़ा से कोई लेना-देना नहीं होता। उनके लिए यह मात्र एक धन कमाने का ज़रिया ~~है।~~ है। इस प्रकार यह कविता दृश्य-संचार माध्यम की संवेदनहीनता का उदाहरण है।

(ii) बच्चों को कपास की तरह कोमल इसलिए कहा गया है क्योंकि जिस प्रकार कपास की प्रकृति निर्मल व कोमल होती है उसी प्रकार बच्चे भी निर्मल और कोमल होते हैं। दोनों में अलग प्रकार का संबंध है। बच्चों का मन कपास की भाँति ही कोमल होता है।

बच्चों के पैरों को बेचैन इसलिए कहा गया है क्योंकि

Space for writing Question Number

जब वो छतों के खतरनाक किनारों से गिरने से बच जाते हैं तो वो और भी निडर होकर बहुत तेजी से पतंग (लक्ष्य) की ओर भागते हैं। इसलिए उनके पैरों को बेचैन कहा गया है।

8. (i) जिस प्रकार चिड़िया की उड़ान और फूलों की सुगंध सभी सीमाएँ लाँघ जाती हैं ~~*~~ उसी प्रकार कविता भी देशकाल, वातावरण और सारी सीमाएँ ~~लाँघ~~ लाँघ जाती है फिर चाहे वह समय की सीमा ही क्यों न हो। जिस प्रकार चिड़िया ~~और~~ पंखों के ~~सारे~~ सहारे आकाश में उड़ान भरती है उसी प्रकार कवि भी कल्पनाओं के सहारे असंख्य सीमाएँ लाँघ जाता है। जिस प्रकार फूल खिलने पर अपनी सुगंध चारों ओर फैलाता है उसी प्रकार कवि भी अपनी भावनाओं के सहारे ~~अपने~~ अपनी कविता को ~~सु~~ सुगंध चारों ओर फैलाना चाहता है जो कभी खत्म नहीं होती।

(iii) बादल को 'विप्लव के बादल' इसलिए कहा गया है क्योंकि यह क्रांति के बादल हैं। जब-जब क्रांति का

Space for writing Question Number

शोर होता है ~~और~~ तब सत्ताधारी वर्ग का सिंहासन को डोलने लगता है। वह क्रांति के डर से सब कुछ छिनने से भयभीत रहता है। क्रांति से छोटे वर्गों को उनके अधिकार मिलते हैं और वे शोषण से मुक्त हो जाते हैं। इस कविता में कवि दुखी प्राणियों का झुलसते हुए देखकर अर्थात् छोटे वर्ग का शोषण होते हुए देखकर क्रांति के बादलों को संबोधित करता है।

9\. (i) (B) बाज़ार की चकाचौंध से बचने के लिए

(ii) (C) जो अपनी जरूरत के अनुसार ही खरीदारी करता है।

(iii) (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की ~~सह~~ गलत व्याख्या करता है।

(iv) (A) 1 - (ii), 2 - (iii), 3 - (i)

Space for writing Question Number

(v) (A) आवश्यकताओं को समझ बाज़ार का उपयोग करें

10. (i) अवधूत वह संन्यासी होता है जो सुख - दुख हर स्थिति में सहज भाव से जीता है और कठिन परिस्तिथियों में भी जीवन रस बनाए रखता है। इसी प्रकार शिरीष का वृक्ष है। वो भयंकर गर्मी, उमस, लू में भी अविचल बना रहता है और सरस बनकर लहलहाता रहता है। जब उमस से प्राण व्याकुल रहते हैं और लू से हृदय सूखता रहता है तब भी शिरीष कालजयी अवधूत की तरह जीवन की अजेयता का संदेश देता रहता है। इसके माध्यम से लेखक ने यह प्रेरणा दी है कि हमें भी विषम परिस्तिथियों में शांत रहकर ~~परिस्तिथिआ~~ उन पर विजय पाने की कोशिश करनी चाहिए।

(iii) महादेवी कहतीं है कि भक्तिन को सेवक कहना उतना ही गलत होगा जितना उनके घर में आने वाले प्रकाश को सेवक कहना। जिस प्रकार वे अपना अस्तित्व रखते हैं उसी प्रकार भक्तिन भी अपना अस्तित्व रखती है। क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं होगा जो इच्छा होने पर

Space for writing Question Number

भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक नहीं होगा जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे।

11\. (i) शिरीष के फल-फूलों के विषय में कालिदास जी का मानना था कि शिरीष में सब कुछ कोमल है। वह केवल एक भौंरे के पैर का भार ही ~~उठ~~ उठा सकता है परंतु लेखक के अनुसार ऐसा नहीं था। वह ~~कहते~~ कहता है कि शिरीष के फूलों में कोमलता तो है किंतु उसका व्यवहार (फल) कठोर है।

(ii) अर्घ्य त्याग भावना से किया दान होता है। लेखक की जीजी का मानना था कि वही दान का फल प्राप्त होता है जो त्याग भावना से किया गया हो। जीजी के अनुसार इंद्र देवता को पानी का अर्घ्य चढ़ाने से वे प्रसन्न होंगे और वर्षा के रूप में उन्हें पानी देंगे। इस प्रकार उन्हें अपने त्याग का फल मिलेगा।

Space for writing Question Number

12. (i) भूषण द्वारा ऊनी ड्रेसिंग ~~ऊ~~ गाउन भेंट किए जाने पर यशोधर बाबू की आँखों में उत्साह की अपेक्षा ~~कमी~~ ~~इसलि~~ नमी इसलिए थी क्योंकि भूषण ने ऊनी गाउन तो भेंट किया लेकिन उसने यह नहीं कहा कि अब से दूध मैं ही ले आऊँगा। उन्हें लगने लगा कि उनके अंगों में किशनदा उतर आए हैं अर्थात् उनके बुढ़ापे का समय भी किशनदा जैसी ही होगा।

हाँ, इसे वर्तमान पीढ़ी द्वारा पारंपरिक जीवन मूल्यों की उपेक्षा ~~अपेक्षा~~ कहा जा सकता है। आजकल की पीढ़ी पारंपरिक जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को व्यर्थ मानती है। उनके लिए रिश्तों से बढ़कर धन पहले आता ~~है~~ है। वर्तमान पीढ़ी को पारंपरिक मूल्यों के बजाय विदेशी परंपराएँ अधिक भाती हैं। वे आधुनिकता के इस दौर में इतने विलीन हो गए हैं कि अपने संस्कार भूलते जा रहे हैं।

(ii) 'जूझ' कहानी के नायक को आरंभ से ही अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उसे कई बार पढ़ाई करने से रोका गया। लेखक का पिता एक

Space for writing Question Number

स्वार्थी पिता था जो अपने स्वार्थ के लिए अपने बेटे के भविष्य को दाव पर लगाना चाहता ~~है~~ था। लेकिन लेखक ने हार नहीं मानी। उसके मन में पढ़ने की दृढ़ इच्छा थी। वो अपनी माँ के साथ दत्ता जी राव के पास गया और अपनी स्थिति बताई और लेखक के पिता को दत्ता जी की बात माननी पड़ी परंतु उसे पाठशाला जाने से पहले ~~खे~~ और पाठशाला से आने के बाद खेतों के काम करना ~~जाना~~ पड़ता था। पिता की इसी शर्त पर वह अपनी पढ़ाई जारी रख सका।

अगर मैं लेखक के स्थान पर होती तो मैं भी यही करती। मैं भी परिस्थितियों से हार ~~न~~ मानकर घुटने नहीं टेकती और अंत तक अपनी शिक्षा के अधिकार के लिए लड़ती।

9. (i) ~~(c)~~ (c) मन को नियंत्रण में रखने के लिए

Space for writing Question Number

खण्ड - ख

(रचनात्मक लेख)

3. (iii)

'डिजिटल अरेस्ट': अपराध का नया तरीका

आज के इस दौर में आधुनिकता के प्रभाव से कोई अछूता नहीं है। आज छोटे बच्चे से लेकर बूढ़े व्यक्ति तक सभी के पास फोन है। वर्तमान समय में हम सभी कोई-न-कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से घिरे हैं। फोन व दूसरे प्रकार के उपकरण तो सभी के पास हैं पर इन सबके माध्यम से होने वाले साइबर अपराध की जानकारी सभी को नहीं है। इसी वजह से हममें से ज़्यादातर लोग इनकी चपेट में आ जाते हैं। इसी का फ़ायदा साइबर अपराधी उठाते हैं और लोगों को ठगने के नए-नए तरीके खोजते रहते हैं। और ऐसा ही एक नया तरीका आया है - 'डिजिटल अरेस्ट'। इस प्रकार के साइबर अपराध में अपराधी किसी भी व्यक्ति को पुलिस की वेशभूषा धारण करके वीडियो कॉल करता है और जैसे ही सामने वाला व्यक्ति उसका फोन उठाता

Space for writing Question Number

तो उसे यही लगता है कि उसके सामने असली पुलिसवाला है और वह अपराधी उसे कहता है कि पुलिस ने आपको डिजिटली अरेस्ट किया है आपके द्वारा किए गए फ्रॉड के चलते। यदि फिर सामने वाले व्यक्ति के गिड़गिड़ाने पर अपराधी उसे कहता है कि यदि आप मुक्त होना चाहते हैं आपको भेजी हुई लिंक पर पैसे ट्रांसफर कर दीजिए और सामने वाला व्यक्ति भय और डड हड़बड़ाहट में ऐसा कर भी देता है और अपराधी का उद्देश्य पूर्ण हो जाता है।

इस प्रकार के साइबर अपराध का एक मुख्य कारण यह भी है लोगों को अपने ही देश के नियम व कानून की जानकारी नहीं है जिस कारण वो इस अपराध का शिकार होते हैं। यदि हमें इस अपराध को रोकना है तोह हमें अपने स्तर पर भी और सरकार को भी देश के नियम व कानून के बारे में जागरुकता फैलानी चाहिए तभी हम इसे रोक सकते हैं।

"सावधान रहिए। सतर्क रहिए।"